श्रम विभाग

ग्रादेश

दिनांक 1 दिसम्बर, 1987

सं भो वि । एफ । ही । | 96-87 | 47971 — चंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि प्रशासक, मार्किट कमेटी, पनबल, जिला फरीदाबाद, के श्रीमक श्री भ्रशोक कुमार, पुत्र श्री नाथा । मार्फत मकान नं 176, वार्ड नं 1, शास्त्री कालोनी, पराना फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों क मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भ्रौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बाछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, श्रीद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) ग्रारा प्रदान की भई सिन्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उनत श्रीधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित श्रीद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/ है श्रथवा विवाद से सुसंगत या संवंधित मामलो/मामले हैं व्याय निर्णय एवं गंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री अशोक कुमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नही, तो वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 3 दिसम्बर, 1987

सं० ग्रो० वि०/एफ ०डी ०/185-87/48391.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० मुख्य प्रशासक फरीदाबाद मिश्रित प्रशासन फरीदाबाद के श्रीमक श्री राम किशन, पृत्न राम स्वेह्नप, गांव बुडेना, डा० बरोली, तहसील बल्लबगढ़ जिला फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है:

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिणय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की घारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की घारा 7-क के अधीन गठित भीद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामलाजो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवाद प्ररात मामला/मामले हैं अथवा विवाद से क्रांगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

न्या श्री राम किशन की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं ग्रो वि (एफ डी/219-85/48398 ---चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै. पोलीमार पेपरज लिं , 12/6, मधुरा रोड़, करीदाबाद के अभिक श्री केवल सिंह मार्फत करीदाबाद कामगार पूर्वियन 2/7, गोपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा प्रवश्वकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को त्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिष्ठित्यम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की भई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिष्ठित्यम की धारा 7क के श्रिष्ठीन गठित ,श्रौद्योगिक श्रिष्ठकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमिक के बीच या तो विवादपस्त का राला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसगत या सम्बन्धित सामला/मामले हैं व्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री केवल सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?